पाठ- लाख की चूड़ियाँ

5. अन्य महत्त्वपूर्ण परीक्षोपयोगी प्रश्नोत्तर

पाठ - 2

प्रश्न 1. बदलू क्या काम करता था? पैतृक पेशे से आप क्या समझते हैं?

उत्तर–बदलू मनिहार था अर्थात् चूड़ियाँ बनाने वाला था। वह लाख की सुंदर व रंग-बिरंगी चूड़ियाँ बनाया करता था। गाँव व गाँव से बाहर भी उसकी चूड़ियों की प्रसिद्धि थी।

पैतृक पेशे का अर्थ है पूर्वजों के कार्य को आगे बढ़ाना। बदलू भी अपने बाप-दादाओं के पेशे को ही कर रहा था।

प्रश्न 2. लाख की चूड़ियाँ किससे व किस प्रकार बनती हैं?

उत्तर–लाख की चूड़ियाँ लाख नामक पदार्थ से बनती हैं। पहले लाख को गर्म करके पिघलाया जाता है। फिर लकड़ी की चौखट पर उसे सलाख के समान पतला करके चूड़ी का आकार दिया जाता है। तत्पश्चात् गोल बेलन जैसे गुटके में डालकर उन्हें सही आकार देकर रंगा जाता है।

☞प्रश्न 3. शादी-विवाह के अवसर पर बदलू क्या जिद्द पकड़ लेता था? **[Imp.]**

उत्तर–बदलू लाख की चूड़ियों को पैसों में न बेचकर वस्तु-विनिमय के आधार पर देता था अर्थात् चूड़ियाँ देकर अनाज ले लिया करता था। लेकिन शादी-विवाह के अवसर पर 'सुहाग की चूड़ियों के जोड़े' का मुँह माँगा दाम लेता था। यहाँ तक कि उसे लेने पर लोग उसे उसकी पत्नी के कपड़े, उसकी पगड़ी व रुपए-पैसे भी दिया करते थे।

प्रश्न 4. एक बार आठ-दस वर्ष के बाद जब लेखक गाँव गया तो उसने क्या बदलाव देखा?

उत्तर–जब एक बार आठ-दस वर्ष के बाद लेखक गाँव गया तो उसने देखा कि अब अधिकतर सभी स्त्रियाँ काँच की चूड़ियाँ पहनती थीं। विरले हाथों में ही लाख की चूड़ियाँ दिखाई दीं। बदलू को मिलकर तो लेखक हैरान ही रह गया क्योंकि अब उस बेचारे का काम ही बंद हो गया था। लाख की चूड़ियों का स्थान काँच की चूड़ियाँ ले चुकी थीं।

☞प्रश्न 5. बदलू की किस बात से लेखक को उसकी स्वाभिमानी पर गर्व हो आया? **[Imp.]**

उत्तर–जब लेखक ने बदलू की बेटी रज्जो की कलाइयों में लाख की चूड़ियाँ देखीं तो वह सुंदर चूड़ियों को देखकर ठिठक गया। तभी बदलू ने उसे बताया कि यह मेरा बनाया अंतिम जोड़ा है। ज़मींदार ने अपनी बेटी की शादी के लिए बनवाया था लेकिन केवल दस आने पैसे में इसे खरीदना चाहता था लेकिन मैंने देने से ही इंकार कर दिया। यह सुनकर लेखक को बदलू की स्वाभिमानी पर गर्व हो आया कि बदलू ने लाख की चूड़ियाँ न बिकने के दिनों में भी अपने उसूल न तोड़े और कम पैसों में 'सुहाग की चूड़ियों का जोड़ा' न दिया।

प्रश्न 6. इस कहानी से क्या संदेश मिलता है?

उत्तर–इस कहानी से यह संदेश मिलता है कि मशीनी युग के दौर में हमें हाथ से बनी वस्तुओं को भी अपनाना चाहिए। भारत की धरोहर हथकरघा उद्योगों को बढ़ावा देना चाहिए। लोगों को अपने पूर्वजों के उद्योग-धंधों को बंद न करके नवीनीकरण द्वारा उन्हें आगे बढ़ाने का प्रयास करना चाहिए।

6. बहुविकल्पी प्रश्नोत्तर

1. 'लाख की चूड़ियाँ' पाठ में किस पर कटाक्ष किया गया है?

(क) बढ़ती बेरोजगारी पर
(ख) मज़दूर वर्ग की दशा पर
(ग) मशीनी युग पर
(घ) दिए गए सभी

Scanned with CamScanner

2. 'बदलू काका' का मुख्य पेशा क्या था?
(क) लाख बनाने का
(ख) खेती का
(ग) मनिहार का
(घ) पशुपालन का

3. वस्तु-विनिमय प्रणाली क्या है?
(क) अनाज देकर ही सामान दूसरे से लेना।
(ख) विभिन्न वस्तुओं को एकत्रित करना।
(ग) एक वस्तु के बदले दूसरी वस्तु लेना।
(घ) पुरानी वस्तु देकर नई लेना।

4. लेखक एक लंबी अवधि तक गाँव क्यों न गया?
(क) वह गाँवों को पसंद न करता था।
(ख) उसके पिता की बदली हो गई थी।
(ग) उसके मामा अब नहीं रहे थे।
(घ) उसका मामा से झगड़ा हो गया था।

5. सुहाग की चूड़ियों के दाम ज़मींदार द्वारा कम दिए जाने पर बदलू ने उसे चूड़ियाँ क्यों न दी?
(क) अपनी स्वाभिमानी के कारण।
(ख) वह अपने आप से हारा नहीं था।
(ग) वह ज़मींदार की परवाह नहीं करता था।
(घ) वह अपनी पूरी मेहनत वसूलना चाहता था।

उत्तर– 1. (घ) 2. (ग) 3. (ग) 4. (ख) 5. (क)

Scanned with CamScanner